राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–190/2024

भगवान श्रीराम का जीवन हमारे लिए प्रेरणादायी है–राज्यपाल

पटना, 19 सितम्बर, 2024 :– माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने पटना विश्वविद्यालय के जय प्रकाश नारायण अनुषद् भवन में आयोजित ''रामतत्व की अवधारणा : बाल्मीकि, कबीर एवं तुलसी के परिप्रेक्ष्य में'' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमारे लिए प्रेरणादायी है। बाल्मीकि, कबीर और तुलसी ने रामतत्व को जिस ढंग से समझा और समाज के सामने रखा उसे आज की युवा पीढ़ी के समक्ष वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सरल, सुबोध और सुग्राह्य रूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि समाज में रामतत्व की अवधारणा क्या थी और आनेवाले समय में क्या होगी, इसपर विचार करने की जरूरत है। हमारा विचार सनातन है, परन्तु वह उतना ही अद्यतन भी है। उन सनातन विचारों को आज के परिप्रेक्ष्य में रखने की जरूरत है ताकि युवा पीढ़ी उन्हें सही रूप में समझकर प्रक्षेपित कर सके।

राज्यपाल ने कबीर, तुलसी और बाल्मीकि का नाम लेकर समाज में विभेद पैदा करने एवं रामचरितमानस व बाल्मीकि रामायण पर हो रहे आक्षेपों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमें इस पर चिंतन करना चाहिए। उन्होंने कुछ कबीरपंथियों द्वारा कबीर के सीख को अलग धर्म के रूप में प्रस्तुत करने को अनुचित बताते हुए कहा कि महात्मा कबीर का विचार हम सबकी सम्पत्ति है और उनकी सीख का अनुसरण ही कबीर धर्म है। वे धर्म की हानि को रोकने के लिए ही इस धरा पर आए थे। उन्होंने कहा कि हमें अपनी ज्ञान–परंपरा को आगे लेकर बढ़ने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने दो पुस्तकों– 'शब्द दर्शन' तथा 'भारत की दैवी संपदा' का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम को पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० अजय कुमार सिंह, महर्षि वाल्मीकि विश्वविद्यालय, हरियाणा के संस्थापक कुलपति प्रो० श्रेयांश द्विवेदी, लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संकायाध्यक्ष प्रो० जयकांत सिंह शर्मा एवं चिति के अध्यक्ष सह स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, पटना विश्वविद्यालय के प्रो० लक्ष्मीनारायण ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर, प्रयागराज विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो० ऋषिकांत पाण्डेय, प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय सह संयोजक श्री रघुनन्दन, नेपाल एवं भूटान तथा देश के विभिन्न भागों से आए विद्वतजन एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....